



# DELHI POLICE 2025

**CONSTABLE HCM AWO/TPO DRIVER**



## यकीन बैच

### STATIC G.K

### वाद्ययंत्र, संगीत, चित्रकला

### INSTRUMENTS, MUSIC, PAINTING



**LIVE**  
STREAMING

**10-02-2025 05:00 PM**



## संगीत वाद्य यंत्र Musical Instruments

- ❖ किसी भी संगीत के लिए, संगीत वाद्य यंत्रों के बारे में जानना आवश्यक होता है। सम्मिलित वाद्य यंत्र के प्रकार के आधार पर एवं नाट्यशास्त्र के अनुसार संगीत वाद्य यंत्रों की चार प्रमुख पारंपरिक श्रेणियाँ हैं। ये हैं

For any music, it is necessary to know about musical instruments. Based on the type of instruments involved and according to Natyashastra, there are four main traditional categories of musical instruments. these are

## 1. अवनद/अवनद्ध वाद्य Avanad/Avanaddha Instrument

- ❖ (ये Membranophonic वाद्य यंत्र हैं, क्योंकि इनमें बाहरी झिल्ली होती है, जिससे विशेष संगीतात्मक ध्वनि निकालने के लिए इन पर आघात किया जाता है। इन्हें आघात वाद्य यंत्र के रूप में भी जाना जाता है)

(These are Membranophonic instruments, because they have an outer membrane, which is struck to produce a particular musical sound. They are also known as percussion instruments)



- ❖ सामान्यतः इस श्रेणी में सम्मिलित संगीत वाद्य यंत्र हैं : तबला, ड्रम, ढोल, मृदंग, डुग्गी, कांगो आदि। जहाँ तबला अधिकांश हिन्दुस्तानी शास्त्रीय कंठ संगीत की संगत है, वहीं मृदंग कर्नाटक संगीत के प्रदर्शनों के साथ संगत करनेवाला वाद्य यंत्र है। Generally the musical instruments included in this category are: Tabla, Drum, Dhol, Mridang, Duggi, Kangoetc. While the tabla is an accompaniment to most Hindustani classical vocal music, the mridangam is an accompaniment to Carnatic music performances.





## 2. सुषिर वाद्य (Wind Instrument)

- ❖ ये **aerophone** श्रेणी के हैं, अर्थात् इनमें सभी वायु वाद्य यंत्र सम्मिलित हैं। सबसे आम वाद्य यंत्रों में बाँसुरी, शहनाई, पुंगी, आदि शामिल हैं। इस श्रेणी में सबसे आम, लेकिन बजाने में दुष्कर वाद्य यंत्र शहनाई है।

These belong to the aerophone category, that is, they include all wind instruments. The most common musical instruments include flute, shehnai, pungi, etc. The most common but difficult to play instrument in this category is the Shehnai.





### 3. घन वाद्य Cube Instrument

- ❖ यह नॉन ड्रम आघात यंत्र की शैली है, जिसके लिए किसी भी ट्यूनिंग की आवश्यकता नहीं होती है। इन्हें इडियो फोन भी कहा जाता है। घन वाद्य के सबसे लोकप्रिय उदाहरण मँजीरा, जलतरंग, काँच-तरंग, घुँघरू, घटम (मिट्टी के बर्तन का ढोल), करताल आदि हैं। It is a non-drum style of instrument, which does not require any tuning. These are also called idio phones. The most popular examples of Ghan Vadya are Manjira, Jaltarang, Kanch-Tarang, Ghunghru, Ghatam (ear then pot drum), Kartal





## 4. तत् वाद्य String instrument

- ❖ ये Cordophone या स्ट्रिंग तार वाद्य यंत्र हैं। इसकी ध्वनि में हाथ से संशोधन करने पर ये सबसे प्रभावपूर्ण संगीत उत्पन्न करते हैं। तत् वाद्य यंत्रों के तीन प्रमुख प्रकार हैं :

These are Chordophone or stringed string instruments. By manually modifying its sound, it produces the most impressive music. There are three main types of musical instruments:

❖ **(a) धनुषाकार :** वे वाद्य यंत्र, जिनमें ध्वनि तार के आर-पार धनुष (कमानी) चलाकर निकाली जाती है। उदाहरण के लिए, सारंगी, इसराज / दिलरूबा और वायलिन।

**Bowed:** Those musical instruments in which sound is produced by moving a bow (spring) across the strings. For example, Sarangi, Israj/Dilruba and violin.





- ❖ **(b) प्लेक्टोरल :** वे वाद्य यंत्र, जिनमें तार को उँगलियों से या तार या सींग से खींचा जाता है। उदाहरण के लिए, सितार, वीणा, तानपुरा, गिटार आदि।

**Plectoral:** Those musical instruments in which the strings are plucked with fingers or with strings or horns. For example, Sitar, Veena, Tanpura, Guitar etc.





❖ (c) वे वाद्य यंत्र, जिन पर छोटी-सी हथौड़ी या डंडों के जोड़ों से आघात किया जाता है। उदाहरण के लिए, गोटूवाद्यम् और स्वरमंडल

Those musical instruments, which are struck with small hammers or joints of sticks. For example, Gotuvadyam and Swaramandal





## ❖ संतूर Santoor

यह एक 100 तारवाला वाद्य यंत्र है और प्राचीन काल से जम्मू और कश्मीर का पारंपरिक वाद्य यंत्र है। सूफ़ियाना कलाम संगीत के साथ संतूर की संगत होती है।

It is a 100 stringed musical instrument and is a traditional musical instrument of Jammu and Kashmir since ancient times. Sufiana Kalam music is accompanied by Santoor.





# लोक संगीत वाद्य यंत्र Folk Musical Instruments

## तारवाले वाद्य यंत्र (Chordophones)

- ❖ **तुम्बी** : इसे पंजाब में भाँगड़ा के दौरान बजाया जाता है।  
Tumbi: It is played during Bhangra in Punjab.



- ❖ **एकतारा** : यह एक तारवाला यंत्र है, जिसे घुम्मकड़ साधुओं द्वारा बजाया जाता है। Ektara: It is a stringed instrument, which is played by wandering monks.





- ❖ **दोतारा** : दो तारवाला यंत्र, जिसे बाउल द्वारा बजाया जाता है।

**Dotara:** Two stringed instrument, which is played with a bowl.



- ❖ **चिंकारा** : मुड़ा हुआ यंत्र, जिसे राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में उपयोग किया जाता है।

**Chikara:** Bowed instrument, used in Rajasthan, Uttar Pradesh and Madhya Pradesh.





- ❖ **दिलरूबा या इसराज** : पंजाब में और पूर्वी भारत में रवीन्द्र संगीत के दौरान संगत के लिए उपयोग किया जाता है। **Dilruba or Israj**: Used for accompaniment during Rabindra Sangeet in Punjab and in eastern India.



- ❖ **ओनाविल्लू** : केरल में, बाँस से बना होता है।  
**Onavillu**: In Kerala, made of bamboo





❖ **सरिंदा :** महत्त्वपूर्ण जनजातीय वाद्य यंत्र । पूर्वी भारत में संथालों द्वारा बजाया जाता है। इसे राजस्थान और असम में भी उपयोग किया जाता है। यह सारंगी जैसा होता है।

**Sarinda: Important tribal musical instrument. Played by the Santhals in Eastern India. It is also used in Rajasthan and Assam. It is like a Sarangi.**





❖ **टिंगंटीला :** वायलिन के समान और नागालैंड मूल का एक दुर्लभ उपकरण ।

**Tigantila:** Similar to the violin and a rare instrument of Nagaland origin.

❖ **कमाइचा :** यह एक झुका हुआ वाद्ययंत्र है, जिसका प्रयोग अक्सर मांगणियार समुदाय द्वारा राजस्थानी लोक संगीत में किया जाता है। **Kamaicha:** It is a bowed instrument, often used in Rajasthani folk music by the Manganiyar community.





Wind  
Instrument

## फूँक से बजाये जानेवाले यंत्र (Aerophones)

❖ **पुंगी या बीन :** इसका उपयोग सपेरों द्वारा किया जाता है। इसे सुखायी हुई तुरई और दो बाँस की छड़ियों द्वारा बनाया जाता है।

**Pungi or Bean:** It is used by snake charmers. It is made from dried ridge gourd and two bamboo sticks.





❖ **अलगोजा** : इसमें दो बाँसुरियाँ होती हैं और उत्तरी-पश्चिमी भारत, विशेषकर पंजाब में लोक संगीत वाद्य के रूप में लोकप्रिय है।

**Algoza:** It consists of two flutes and is popular as a folk musical instrument in north-western India, especially Punjab.





- ❖ **तंगमुरी** : यह मेघालय के खासी पर्वतीय क्षेत्र के लोगों का एक लोक संगीत वाद्य है।

**Tangmuri:** It is a folk musical instrument of the people of the Khasi Hills region of Meghalaya.



- ❖ **तिट्टी** : यह बैगपाइपर के समान होता है एवं बकरी की खाल से निर्मित होता है। इसे दक्षिण भारत, विशेषकर केरल और आंध्रप्रदेश में बजाया जाता है।

**Titti:** It is similar to a bagpiper and is made from goat skin. It is played in South India, especially Kerala and Andhra Pradesh.



- ❖ **मशक** : उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र, राजस्थान और उत्तरप्रदेश का महत्वपूर्ण लोकसंगीत वाद्य है।

**Mashak:** It is an important folk musical instrument of Garhwal region of Uttarakhand, Rajasthan and Uttar Pradesh.



- ❖ **गोगोना** : यह बाँस से निर्मित होता है एवं असम के बिहू पर्व में उपयोग किया जाता है। **Gogona:** It is made of bamboo and is used in the Bihu festival of Assam.



❖ **एजुक तपुंग :** संपेरो की बीन जैसा और असम मूल का एक दुर्लभ उपकरण ।

**Ejuk Tapung: Like a snake charmer's lute and a rare instrument of Assam origin.**



## आघात से बजाये जानेवाले वाद्य यंत्र (Membranophones)

- ❖ **घुमोट** : यह ड्रम जैसा होता है और इसे गोवा में गणेश उत्सव में बजाया जाता है। Ghumot: It is like a drum and is played during Ganesh Utsav in Goa.
- ❖ **इदक्का** : यह डमरू जैसा होता है और केरल में उपयोग किया जाता है। Idakka: It is like Damru and is used in Kerala.



❖ **उदुकई :** यह तमिलनाडु से बालूघड़ी के आकार का डमरू जैसा यंत्र है।

**Udukai:** It is a sand clock shaped drum like instrument from Tamil Nadu.

❖ **सम्बल :** यह ड्रम जैसा होता है। इसे महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में छड़ियों से बजाया जाता है।

**Sambal:** It is like a drum. It is played with sticks in the Konkan region of Maharashtra.



- ❖ **तमक :** संथाल जनजाति का दो सिरोंवाला यह एक महत्वपूर्ण वाद्ययंत्र है, जिसे ड्रम स्टिक से बजाया जाता है।

**Tamak:** This is an important two-headed musical instrument of the Santhal tribe, which is played with drum sticks.



- ❖ **डिग्गी :** यह उत्तरप्रदेश के घड़िया गाँव का लोक - ढोलक है।

**Diggi:** This is the folk drum of Ghariya village of Uttar Pradesh.

## टकराने से ध्वनि उत्पन्न करनेवाले यंत्र ( Idiophones )

- ❖ चिमटा : आग में उपयोग किये जानेवाले चिमटे से विकसित हुआ और पंजाब में उपयोग किया जाता है।

Chimta: Developed from fire tongs and used in Punjab.





**मंजीरा** :- मंजीरा भजन में प्रयुक्त होने वाला एक महत्वपूर्ण वाद्य है। इसमें दो छोटी गहरी गोल मिश्रित धातु की बनी कटोरियाँ जैसी होती है। इनका मध्य भाग गहरा होता है। इस भाग में बने गड्ढे के छेद में डोरी लगी रहती है। ये दोनों हाथों से बजाए जाते हैं, दोनों हाथों में एक-एक मंजीरा रहता है। परस्पर आघात करने पर ध्वनि निकलती है।



❖ **खरताल** :- एक प्राचीन वाद्य यंत्र है जिसका प्रयोग मुख्यतः भक्ति/लोक गीतों में किया जाता है। इसका नाम संस्कृत के शब्द 'कारा' का अर्थ हाथ और 'ताला' का अर्थ ताली से है। यह लकड़ी का क्लैपर घाना वाद्य है जिसमें डिस्क या प्लेट होते हैं जो एक साथ ताली बजाने पर क्लिंकिंग ध्वनि उत्पन्न करते हैं।





2004

## भारतीय राज्यों के प्रमुख वाद्ययंत्र

वाद्य यंत्र/ Musical Instruments

राज्य /State

- ☞ पेना, पुंग / **Pena, Pung** → मणिपुर **Manipur**
- ☞ पोनु योक्सी / **Ponu Yoxi** → अरुणाचल प्रदेश  
अमेबाली, किरिंग, गुगा **Arunachal Pradesh**  
**Amebali, Kiring, Guga**
- ☞ अलगोजा, कामाडुचा, मौरचंग, करताल, मुंगल → राजस्थान **Rajasthan**  
**Algoja, Kamaicha, Morchang, Kartal, Mungal**

👉 बोबिली वीणा, सरस्वती वीणा → कर्नाटक **Karnataka**

Bobbili Veena, Saraswati Veena

↪ आन्ध्र प्रदेश का भी **Also from Andhra Pradesh**

👉 दमाने, हुल्की **Damane, Hulki** → हिमाचल प्रदेश  
**Himachal Pradesh**

👉 चिंकारा/ **Chinkara** → मध्य प्रदेश **Madhya Pradesh**

👉 घटम **Ghatam** → आन्ध्र प्रदेश **Andhra Pradesh**

👉 पखावज **Pakhavaj** → बिहार **Bihar**



- ☞ सुन्दरी, इकतारा/ **Sundri, Iqtara** → महाराष्ट्र **Maharashtra**
- ☞ मर्दल, महुरी, धेनका / **Mardal, Mahuri, dhenka** → ओडिशा **Odisha**
- ☞ खुआंग / **Khuang** → मिजोरम **Mizoram**
- ☞ पावा, तुरी, बंगाल / **Pava, Turi, Bengal** → गुजरात **Gujarat**
- ☞ पेपा, टोका ,गोगोना → असम **Assam**
- ☞ भुआंग, सिंगा/**Bhuang, Singa** → झारखण्ड (संथाल)  
**Jharkhand (Santhal)**
- ☞ हुडकी /**Hudki** → उत्तराखण्ड **Uttarakhand**


- ➡ घूमोट / **Ghamot** → गोवा **Goa**
- ➡ सुसिरा / **Susira** → सिक्किम **Sikkim**
- ➡ डोटारा, श्रीखोल / **Dotara, Shrikhol** → पश्चिम बंगाल **West Ben**
- ➡ कुजहल / **Kujhal** → केरल **Kerala**
- ➡ दुगदुगी, नादस्वरम **Nadswram/Dugdugi** → तमिलनाडू **Tamil Nadu**



## भारतीय संगीत का इतिहास

- हमें पहली बार संगीत का साहित्यिक प्रमाण दो हजार वर्ष पहले वैदिक काल में मिलता है। राग खरहरप्रिया के सभी सातों स्वर साम बंद में अवरोही क्रम में पाये जा सकते हैं। संगीत विज्ञान को गन्धर्व वेद कहा जाता है, जो सामवेद का एक उपवेद है

**We first find literary evidence of music in the Vedic period, two thousand years ago. All the seven notes of Raga Kharharpriya can be found in descending order in the Sama Bandha. The science of music is called Gandharva Veda, which is an Upveda of the Sama Veda**

- 
- ➡ भरत द्वारा लिखित नाट्यशास्त्र पहली रचना थी, जिसमें संगीत विद्या के विषय को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया
  - ➡ **Natyashastra written by Bharata was the first work in which the subject of musicology was explained in detail.**



# राग

हिन्दुस्तानी राग	समय	ऋतु	मनोभाव (रस)
भैरव	भोर	कोई भी मौसम	शांति
हिण्डोल	प्रातः काल	बसंत	युवा जोड़े की मिठास का आह्वान करता है
दीपक	रात	ग्रीष्मकाल	करुणा
मेघ	देर रात	वर्षा ऋतु	साहस
श्री	सायंकाल	शीतकाल	हर्ष
मालकौंस	मध्यरात्रि	शीतकाल	वीर

## ताल



धुनों का लयबद्ध समूह ही ताल कहलाता है। यह लयबद्ध चक्र 3 से लेकर 108 धुनों का होता है।

**The rhythmic group of tunes is called taal. This rhythmic cycle ranges from 3 to 108 tunes.**